हमारे जैसा सौभाग्यशाली और कोई नहीं...

वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका राजयोगिनी गीता दीदी,माउण्ट आबू

संगमयुग के समीप रहने का ये भी अपने आप में एक बहुत अच्छा ड्रामा है। अपने-अपने स्थान पर हम नित्य पढ़ाई करते हैं फिर भी वहाँ नौकरी, धंधा, परिवार, समाज के बीच रहना है, कामकाज भी करना है तो वो मिक्स रहता है। हर बात का सत्य हमने समझ लिया है पर हरेक सत्य पर गौर करना है। एकांत, शांति में अन्तर्मुखी होकर बैठकर एक-एक बात पर ध्यान देना है। इसकी अब जीवन में बहुत ज़रूरत है। ये बात, ये सत्य मनुष्य से देवता बनने के लिए बाबा ने क्यों बताई है? ये सत्य ज्ञान सम्पूर्ण सतोप्रधान बनने के लिए क्या सम्बन्ध रखता है। ज्ञान पाने के बाद भी पूरा परिवर्तन नहीं होता है तो इसका कारण यही है कि हम हर बात को जो बाबा बताते हैं उसको गौर नहीं करते। माना गहराई से उसे समझना और महसूस करना वो नहीं करते। वास्तव में साधना वो ही है कि साइलेन्स में, एकांत में अन्तर्मुखी होकर बैठना और हर सत्य के महत्त्व को समझना। ये भी सभी के अनुभव में होगा कि अगर हम गौर नहीं करते हैं, कितना भी कोई हमें कह ले परिवर्तन नहीं होता है। हमें सत्य मिल चुका है, ये बहुत बड़ा सौभाग्य है हमारा। बाकी को तो सत्य पाने की ही मेहनत करनी पड़ी है। भक्ति में जो भी मेहनत है... सत्य के खोज की है। और परम सत्य बाबा ने जीवन और जगत के हर सत्य को स्वयं ही स्पष्ट किया है। सिर्फ गहराई से समझना है। हमारे जीवन के उद्देश्य को और बाबा के उद्देश्य को मैच करना है। बाबा क्यों ये बातें हमें समझाते हैं, बाबा का ध्येय क्या है और मेरा ध्येय क्या है ये मैच होना चाहिए। तभी हम उमंग-उत्साह, हिम्मत और दृढ़ता से पुरुषार्थ कर सकेंगे। अगर हमारा ध्येय अलग है बाबा से मैच नहीं करता है तो पुरुषार्थ नहीं कर सकेंगे। मैं समझती हूँ हम सबका अनुभव है कि ज्ञान में आने से ही, बाबा के सत्य ज्ञान को प्राप्त करने से ही, ज्ञानी तू आत्मा बनने से ही जीवन की आधी समस्यायें खत्म हो गई हैं। क्योंकि अज्ञानता, मिथ्या ज्ञान, अल्प ज्ञान, अंधश्रद्धा, मनमत या मनुष्यमत इन सबके कारण जो जीवन में बातें आईं, समस्यायें आईं वो तो ज्ञान में आते ही खत्म हो गईं।

वास्तव में साधना वो ही है कि साइलेन्स में, एकांत में अन्तर्मुखी होकर बैठना और हर सत्य के महत्त्व को समझना। ये भी सभी के अनुभव में होगा कि अगर हम गौर नहीं करते हैं, कितना भी कोई हमें कह ले परिवर्तन नहीं होता है।

स्वयं ब्रह्मा बाबा अपने अनुभव की बात मुरली में बताते हैं। नज़र से निहाल किया सतगुरु स्वामी ने। फिक्रों से फारिग कर दिया। क्योंकि जीवन के जो भी संघर्ष और घर्षण हैं उसका मूल कारण अज्ञानता है। जैसे ही ज्ञान में आये यानी ज्ञान समझने लगे और स्वीकार करने लगे तो अधिक समस्यायें दो हफ्ते में ही खत्म हो गईं। अनावश्यक इच्छायें, सामाजिक दबाव, गलत रीति-रस्में, गलत मान्यतायें इन सबके कारण कितनी समस्यायें जीवन में होती हैं। कितनी भय और चिन्तायें जीवन में होती हैं। सत्य ज्ञान मिलते ही वो सब समाप्त हो गये। ज्ञान न होने के कारण गलत मान्यताओं में कितने लोग फँसे हुए हैं। बाबा के ज्ञान से हम हरेक आत्मा इतनी जाग्रत हो गई, इतना सद्विवेक हमें प्राप्त हो गया और उस सद्विवेक से आत्मा इतनी शक्तिशाली हो गई कि हम खुद ही जीवन की कई समस्याओं का निराकरण करने लगे, समाधान करने लगे।

- क्रमशः

रीवा-म.प्र.। भगवत शरण माथुर फैन्स क्लब द्वारा दिवंगत भगवत शरण माथुर साहब की 71वीं जयंती के उपलक्ष्य में श्री कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम में आयोजित 'विचार गोष्ठी एवं प्रतिभा सम्मान समारोह' में राजयोगिनी ब्र.कु. निर्मला दीदी को सम्मानित किया गया। इस मौके पर म.प्र. विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम, लोकसभा सांसद जनार्दन मिश्रा, मेजर विभा श्रीवास्तव, राज्यसभा सांसद अजय प्रताप सिंह व अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पुणे-रविवार पेठ(महा.)। आज़ादी के अमृत महोत्सव एवं स्थानीय सेवाकेन्द्र के रजत जयंती महोत्सव वर्ष के अंतर्गत 'महाराष्ट्र राज्य स्थापना दिन और कामगार दिन' के अवसर पर बन्सीलाल रामनाथ अग्रवाल हिन्दी हाई स्कूल के शिक्षकों के लिए आयोजित 'ध्यान एवं एकाग्रता' विषय पर ब्र.कु. रोहिणी बहन ने शिक्षकों का मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर प्रिंसिपल रोहिणी सूर्यवंशी, प्रिंसिपल अश्विनी एवं अन्य शिक्षक व स्टाफ उपस्थित रहे।

पुणे-वडगांव शेरी(महा.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 'महाराष्ट्र दिवस एवं कामगार दिवस' के अवसर पर सभी निर्माण विभागों के मज़दूर वर्ग के लिए आयोजित कार्यक्रम में ब्र.कु. प्रेमा दीदी, ब्र.कु. चंद्रकांत भाई, बेकर कंपनी के मैनेजर नवीन भाई, ब्र.कु. प्रकाश भाई, सामाजिक कार्यकर्ता ज्ञानेश्वर गलांडे व अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे। लगभग 200 लोगों ने कार्यक्रम का लाभ लिया।

धमतरी-छ.ग.। आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत 'दया एवं करुणा के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण' वार्षिक अभियान एवं मातृ दिवस के कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस मौके पर विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय महिलाएं सुनंदा बहन, मीना डडसेना, शिवानी बहन, मीरा सेन, नंदा कामड़े, सुरेखा सहारे,अध्यक्ष,बौद्ध समाज महिला प्रभाग, राजयोगिनी ब्र.कु. सरिता दीदी, ब्र.कु. प्राजक्ता बहन, ब्र.कु. श्याम भाई आदि उपस्थित रहे।

आमगांव-महा.। ब्रह्माकुमारीज़ के 'दया एवं करुणा के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण' थीम के अंतर्गत मातृ दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में श्रीमति मालती चौरसिया,जिला पंचायत सदस्य, ब्रह्माकुमारीज़ की क्षेत्रीय संचालिका ब्र.कु. वर्षा दीदी तथा अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।

अम्बिकापुर-छ.ग.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 'आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' परियोजना के अंतर्गत मातृ दिवस के अवसर पर आयोजित 'बेटी बचाओ सशक्त बनाओ' कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए रिटा. सीआईडी इंस्पेक्टर एच. पांडेय, रिटा. फॉरेस्ट रेंजर डी.पी. पाठक, श्रीमति सरिता सोनी, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. विद्या दीदी, ब्र.कु. प्रतिमा बहन तथा अन्य।

महासमुंद-छ.ग.। 'आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' अभियान के तहत मातृ दिवस के अवसर पर 'दया और करुणा के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण' वार्षिक थीम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए बी.आर. गोड़िया,रेलवे टी.आई., रश्मि चन्द्राकर,कांग्रेस कमेटी जिला अध्यक्ष, डी.डी. झारिया,पशु चिकित्सा अधिकारी सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. प्रीति बहन तथा ब्र.कु. सुषमा बहन।

इंदौर-पलासिया(म.प्र.)। मातृ दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. आरती दीदी, श्रीमति गायत्री बहन,रेलवे टी.आई., चित्रा बहन,इंडेक्स मेडिकल कॉलेज इंदौर, डॉ. रूचि बाठिया,एमडीएस,प्रोफेसर,एचओडी मॉडल डेंटल कॉलेज इंदौर, ब्र.कु. विका बहन तथा ब्र.कु. नारायण भाई।

जबलपुर-भवरताल(म.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ के शिव स्मृति भवन में 'दया एवं करुणा के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण' वार्षिक थीम के उद्घाटन कार्यक्रम में रवि गुप्ता,अध्यक्ष,चेम्बर ऑफ कॉमर्स, डॉ. रत्नेश कुररिया,सीएमओ,विक्टोरिया हॉस्पिटल, सूखेश चौराड़िया,सीए अध्यक्ष, चांदनी आहूजा,सीए अध्यक्ष, ब्र.कु. भावना बहन, डॉ. एस.के. पाण्डे, डॉ. लखन वैश्य, ब्र.कु. वर्षा बहन, ब्र.कु. संतोष चक्रवर्ती, ब्र.कु. पवन पाण्डे आदि उपस्थित रहे।

पेरु-साउथ अमेरिका। लूथरन चर्च द्वारा भविष्य में पादरी का पद सम्भालने वाले 25 युवाओं के लिए आयोजित रिट्रीट में ब्रह्माकुमारीज़ को युवाओं का मार्गदर्शन करने के लिए आमंत्रित किया गया। रिट्रीट में ब्र.कु. निकोला ने सभी को राजयोग मेडिटेशन के बारे में बताते हुए इसका अभ्यास कराया तथा परमात्मा का शांतिदूत बनने की योग्यताएं स्वयं में भरने की विधि बताई।

हरदा-म.प्र.। आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत आयोजित 'मानवता के संरक्षक समाजसेवी' कार्यक्रम में ब्र.कु. शैलजा बहन, नेहरू युवा केन्द्र, पहल संस्था, आस्था महिला समिति, जन अभियान परिषद्, गायत्री परिवार, राजपूत समाज, ब्राह्मण समाज, लायंस क्लब, शेडो संस्थान, प्रयास संस्था, अग्रवाल समाज एवं शहर के अन्य समाजसेवियों सहित ब्र.कु. भाई-बहनें उपस्थित रहे।